हिंदी विभाग
श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यलय, सीतामढ़ी
प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

छायाचित्र – 1

दिनांक 31/07/2023 को हिंदी विभाग, श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी के तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर ‘आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. सतीश कुमार राय, मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्र साह, अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राम नरेश पंडित, रचानाकार रामबाबू नीरव, प्रो. रेणु ठाकुर, डॉ. जगजीवन प्रसाद, डॉ. उमेश कुमार शर्मा, श्रीमती कंचन कुमारी, श्रीमती तुलसी कुमारी तथा कार्यक्रम संयोजक एवं संचालक डॉ. आरले श्रीकांत लक्ष्मणराव तथा अन्य।

छायाचित्र – 2

दिनांक 31/07/2023 को हिंदी विभाग, श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी के तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. सतीश कुमार राय, मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्र साह, अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राम नरेश पंडित, रचानाकार रामबाबू नीरव, प्रो. रेणु ठाकुर, डॉ. जगजीवन प्रसाद, डॉ. उमेश कुमार शर्मा, श्रीमती कंचन कुमारी, श्रीमती तुलसी कुमारी तथा कार्यक्रम संयोजक एवं संचालक डॉ. आरले श्रीकांत लक्ष्मणराव तथा अन्य।

छायाचित्र – 3

दिनांक 31/07/2023 को हिंदी विभाग, श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी के तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. सतीश कुमार राय, मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्र साह, अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राम नरेश पंडित, रचानाकार रामबाबू नीरव, प्रो. रेणु ठाकुर, डॉ. जगजीवन प्रसाद, डॉ. उमेश कुमार शर्मा, श्रीमती कंचन कुमारी, श्रीमती तुलसी कुमारी तथा कार्यक्रम संयोजक एवं संचालक डॉ. आरले श्रीकांत लक्ष्मणराव तथा अन्य।

दिनांक 31/07/2023 को हिंदी विभाग, श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी के तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का 'प्रभात खबर', 'दैनिक भास्कर', 'दैनिक जागरण' तथा 'हिंदुस्तान' समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार।

प्रेमचंद देशकाल से संवाद करने वाले साहित्यकार

- एसआरके गोयनका कॉलेज में प्रेमचंद की जयंती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रतिनिधि, सीतामढ़ी

सोमवार को नगर स्थित श्री राधाकृष्ण गोयनका महाविद्यालय में प्रसिद्ध उपन्यासकार प्रेमचंद की 143वीं जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानाचार्य प्रो (डॉ) राम नरेश पंडित 'रमण' की अध्यक्षता में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. विषय था'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद'. संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में लना मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ) राजेंद्र साह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बाबासाहेब भीमराव अंबेदकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो (डॉ) सतीश कुमार राय शामिल हुए. संगोष्ठी का आरंभ दीप-प्रज्वलन, प्रेमचंद की तस्वीर पर माल्यार्पण तथा मंचस्थ अतिथियों के स्वागत से हुआ. अतिथियों द्वारा डॉ पुष्पा कुमारी रचित मौलिक पुस्तक-'कुटीर उद्योग के विकास में मधुबनी जिले का योगदान' का विमोचन भी किया गया. बतौर मुख्य वक्ता प्रो सतीश कुमार राय ने प्रेमचंद की रचनात्मकता तथा प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'प्रेमचंद देशकाल से संवाद करने वाले साहित्यकार हैं. वे अपने समय की उपज हैं, इसलिए उनकी प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी. प्रेमचंद जन-जन के साहित्यकार हैं. समय के साथ उनकी रचनाएं प्रासंगिक हो रही है. प्रो राजेंद्र साह ने कहा कि कथा सम्राट प्रेमचंद्र कालजयी रचनाकार हैं. उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज के विविध वर्गों को पात्र बनाया, वे पात्र बेहद जीवंत हैं. आज भी हमारे समाज में घीसू, माधव, होरी, धनिया और सिलिया उसी रूप में मिलते हैं. आज भी किसान-मजदूर की स्थिति बहुत कुछ वैसी ही है, जैसी प्रेमचंद्र के समय में थी. जब तक हमारा समाज नहीं सुधरता, प्रेमचंद प्रासंगिक रहेंगे.

पुस्तक का विमोचन करते अतिथि गण, प्राचार्य व अन्य.

पुपरी निवासी वयोवृद्ध कथाकार रामबाबू'नीरव' ने कहा कि 'प्रेमचंद एक यथार्थवादी साहित्यकार हैं. उनकी रचनाओं में हमारे समाज का सच रेखांकित हुआ है. संगोष्ठी में महाविद्यालय के डॉ रेणु ठाकुर, डॉ जगजीवन प्रसाद, डॉ शशिकांत पांडेय, डॉ मो सनाउल्लाह, कंचन कुमारी व तुलसी कुमारी समेत अन्य ने भी संबोधित किया. प्रधानाचार्य प्रो राम नरेश पंडित 'रमण' ने कहा कि 'प्रेमचन्द अब तक के सबसे प्रभावशाली रचनाकार हैं, जिनकी रचनाएं आज भी सबसे अधिक पढ़ी जाती है. आज भी प्रेमचन्द की प्रासंगिकता बरकरार है, क्योंकि हमारे देश की सूरत अभी भी नहीं बदल पायी है. संचालन महाविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ आरले श्रीकांत लक्ष्मणराव तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ उमेश कुमार शर्मा ने किया. कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ गुलाब सिंह, डॉ रवि पाठक, डॉ वेद प्रकाश दुबे, अमृत लाल, डॉ राकेश कुमार, डॉ आनंद यादव, डॉ सुबोध झा, डॉ मुकेश कुमार व डॉ सुशील कुमार समेत प्रधान सहायक संजय शर्मा, कर्मी सुबोध चंद्र, निखिल गोयनका, नागेश्वर नाथ, संजय कुमार सिंह, आनंद बिहारी सिंह, अब्दुल खालिक व सुरेश कुमार समेत दर्जनों लोग शामिल हुए.

—प्रभात खबर, मुजफ्फरपुर, मंगलवार, 1 अगस्त, 2023—

दैनिक भास्कर

प्रेमचन्द की प्रासंगिकता हर हमेशा बनी रहेगी

प्रेमचन्द की 143वीं जयंती समारोह पर कार्यक्रम

समारोह में शामिल अतिथि व अन्य लोग।

भास्कर न्यूज़ | सीतामढ़ी

नगर स्थित श्री राधा कृष्ण गोयनका कॉलेज परिसर में सोमवार को प्राचार्य प्रो. डॉ. राम नरेश पंडित की अध्यक्षता में प्रेमचन्द की 143वीं जयंती समारोह सह संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रेमचन्द की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ शुरू किया गया। आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद विषयक संगोष्ठी में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के प्रो. राजेन्द्र साह, बिहार विश्वविद्यालय के प्रो. सतीश कुमार राय, प्राचार्य आदि ने संयुक्त रूप से डॉ. पुष्पा कुमारी रचित मौलिक पुस्तक- कुटीर उद्योग के विकास में मधुबनी जिले का योगदान का विमोचन किया गया। वक्ताओं ने प्रेमचन्द की रचनात्मकता तथा प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेमचन्द देशकाल से संवाद करने वाले साहित्यकार हैं। वे अपने समय की उपज हैं, इसलिए उनकी प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी। प्रेमचन्द का साहित्य अपने समय का साहित्य ही नहीं, इतिहास भी है। वे जिस समय सृजन कर रहे थे, उस समय हिन्दी कथा साहित्य अपना आकार ग्रहण कर रहा था। कथा सम्राट प्रेमचन्द कालजयी रचनाकार हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज के विविध वर्गों को पात्र बनाया। वे पात्र बेहद जीवंत हैं। आज भी हमारे समाज में घीसू, माधव, होरी, धनिया और सिलिया उसी रूप में मिलते हैं। आज भी किसान-मजदूर की स्थिति बहुत कुछ वैसी ही है, जैसी प्रेमचन्द के समय में थी। मौके पर राम बाबू नीरव, डॉ. रेणु ठाकुर, डॉ. जगजीवन प्रसाद, डॉ. शशिकांत पांडेय, डॉ. मो. सनाउल्लाह, कंचन कुमारी, तुलसी कुमारी आदि ने भी प्रेमचन्द के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला। संचालन डॉ. आरले श्रीकांत लक्ष्मणराव ने किया। मौके पर डॉ गुलाब सिंह, डॉ. रवि पाठक, डॉ. वेद प्रकाश दुबे, अमृत लाल, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. आनंद यादव, डॉ. सुबोध झा, डॉ. मुकेश कुमार और डॉ. सुशील कुमार, संजय शर्मा, सुबोधचंद्र, निखिल गोयनका, नागेश्वर नाथ, संजय कु. सिंह, आनंद बिहारी, अब्दुल खालिक, सुरेश कुमार थे।

दैनिक जागरण, मुजफ्फरपुर 01 अगस्त, 2023

मनुष्यता को संवर्धित करने वाला है प्रेमचंद का साहित्य

संगोष्ठी को मिथिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष व बिहार विश्वविद्यालय के पूर्व कुलानुशासक ने किया संबोधित

सीतामढ़ी, संवाद सहयोगी: शहर स्थित एसआरके गोयनका कालेज में कथा साहित्य के सम्राट प्रेमचंद्र की 143 वीं जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानाचार्य डा.राम नरेश पंडित रमण की अध्यक्षता में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसका विषय था 'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद'। राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन कालेज के हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. आरले श्रीकांत लक्ष्मण राव ने किया।

संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के हिन्दी विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र साह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के पूर्व कुलानुशासक सह मानविकी संकायाध्यक्ष डा. सतीश कुमार राय उपस्थित थे। संगोष्ठी का आरंभ दीप-प्रज्वलन, प्रेमचंद की तस्वीर पर माल्यार्पण तथा मंचस्थ अतिथियों के स्वागत से हुआ।

समारोह में मंचस्थ अतिथियों द्वारा डा. पुष्पा कुमारी रचित मौलिक पुस्तक-'कुटीर उद्योग के विकास में मधुबनी जिले का योगदान' का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता पूर्व कुलानुशासक डा. सतीश कुमार राय ने प्रेमचंद की रचनात्मकता तथा प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ' प्रेमचंद आधुनिक वेद व्यास हैं। उन्होंने जब लिखना शुरू किया था तब हमारा देश गुलाम था। प्रेमचंद का साहित्य सही अर्थों में मुक्ति का साहित्य है। उसमें आडंबर व रूढ़ियों से मुक्ति का स्वप्न है। मनुष्यता को संवर्धित करने वाला साहित्य है। प्रेमचंद के कृतित्व के कई आयाम हैं। कई रूपों में उनकी भूमिका है। उन्होंने जो पत्रकारिता शुरू की उसमें व्यापक संदर्भों को समेटा। इसलिए उनकी प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी।

मिथिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डा.राजेंद्र साह व बिहार विवि के पूर्व कुलानुशासक डा.सतीशचंद्र राय, प्राचार्य डा.रामनरेश पंडित रमण व अन्य • जागरण

मिथिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष मुख्य अतिथि डा. राजेंद्र साह ने कहा कि कथा सम्राट प्रेमचंद कालजयी रचनाकार हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज के विविध वर्गों को पात्र बनाया। वे पात्र बेहद जीवंत हैं। आज भी हमारे समाज में घीसू, माधव, होरी, धनिया और सिलिया उसी रूप में मिलते हैं। आज भी किसान-मजदूर की स्थिति बहुत कुछ वैसी ही है, जैसी प्रेमचंद के समय में थी। जब तक हमारा समाज नहीं सुधरता, प्रेमचंद प्रासंगिक रहेंगे। प्राचार्य डा. राम नरेश पंडित रमण ने कहा कि जबतक समाज मानवीय मूल्यों से विकसित नहीं होगा तब तक प्रेमचंद याद किए जाएंगे। प्रेमचंद ने समाज को बोधात्मक रचनाएं दीं जो आज भी प्रासंगिक है। आज भी प्रेमचंद की प्रासंगिकता बरकरार है, क्योंकि हमारे देश की सूरत अभी भी नहीं बदल पाई है। उनकी अमरता का कारण है कि वे किसी खास वर्ग या किसी खास विमर्श के दायरे में कैद नहीं हैं। पुपरी निवासी वयोवृद्ध कथाकार राम बाबू 'नीरव' ने कहा कि प्रेमचंद एक यथार्थवादी साहित्यकार थे। उनकी रचनाओं में हमारे समाज का सच रेखांकित हुआ है। प्रेमचंद ने देश और समाज की सभी समस्याओं पर लेखनी चलायी है। वे कभी विस्मृत नहीं हो सकते तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डा. उमेश कुमार शर्मा ने किया। संगोष्ठी में महाविद्यालय के डां. रेणु ठाकुर, डा. जगजीवन प्रसाद, डा. शशिकांत पांडेय, डा. सनाउल्लाह, प्रो कंचन कुमारी, प्रो तुलसी कुमारी आदि शिक्षकों ने भी प्रेमचंद के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला।

मौके पर डा. गुलाब सिंह, डा. रवि पाठक, डा.वेद प्रकाश दुबे, प्रो अमृत लाल, डा. राकेश कुमार, डा.आनंद यादव, डा. सुबोध झा, डा. मुकेश कुमार, डा.सुशील कुमार के अलावा शिक्षकेत्तर कर्मी संजय शर्मा, सुबोधचंद्र, निखिल गोयनका, नागेश्वर नाथ, संजय कुमार सिंह, आनंद बिहारी, अब्दुल खालिक, सुरेश कुमार के अलावा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

श्रद्धांजलि अर्पित करते शिक्षक न्याय मोर्चा के सदस्य • जागरण

याद किए गए उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद

शिवहर, संवाद सहयोगी : शिक्षक न्याय मोर्चा के तत्वावधान में शहर के ब्लाक रोड स्थित जिला कार्यालय श्यामपुर निवास में हिंदी साहित्य के अग्रदूत महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद को उनकी 143 वीं जयंती पर श्रद्धापूर्वक याद किया गया। साथ ही उनकी तस्वीर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मोर्चा के प्रदेश महासचिव अभय कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी साहित्य में अमर कथाकार मुंशी प्रेमचंद कालजयी लेखक थे तथा उनकी रचनाओं में यथार्थ का दर्शन होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते जिला संयोजक राधेश्याम सिंह ने कहा कि उपन्यास, कहानी, नाटक, समीक्षा, संपादकीय, संस्मरण आदि अनेक विधाओं में उन्होंने साहित्य की रचना की, किंतु प्रमुख रूप से वह कथाकार रहे हैं तथा उन्हें उपन्यास सम्राट कहा जाने लगा। मौके पर मोर्चा के जिला सह संयोजक सुजीत कुमार, जिला मीडिया प्रभारी सुनील कुमार सिंह, छात्र आशीष रंजन, शानू कुमार व हर्ष रंजन समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

मुजफ्फरपुर
मंगलवार
1 अगस्त, 2023

अपन

गोयनका कॉलेज में हिन्दी विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रेमचंद की प्रासंगिकता आज भी

- प्रेमचंद देशकाल से संवाद करने वाले महान साहित्यकार थे
- प्रेमचंद ने रचनाओं में विविध वर्गों को अपना पात्र बनाया

सीतामढ़ी, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि । एसआरके गोयनका कॉलेज में सोमवार को प्रेमचन्द की 143 वीं जयंती के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। हिन्दी विभाग के तत्वावधान में आयोजित समारोह की अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) राम नरेश पंडित 'रमण' ने की। संगोष्ठी का विषय 'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद' था। मुख्य अतिथि के रूप में ल. ना. मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) राजेन्द्र साह तथा मुख्य वक्ता के रूप में बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ) सतीश कुमार राय थे। इससे पहले संगोष्ठी का शुभारंभ दीप जलाकर व प्रेमचन्द की तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। मौके पर मुख्य वक्ता प्रो. सतीश कुमार राय ने प्रेमचन्द की रचनात्मकता तथा

गोयनका कॉलेज में एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप जलाकर उद्घाटन करते मुख्य अतिथि व अन्य।

प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेमचन्द देशकाल से संवाद करने वाले साहित्यकार हैं। वे अपने समय की उपज हैं, इसलिए उनकी प्रासंगिकता सदैव बनी रहेगी। प्रेमचन्द का साहित्य अपने समय का साहित्य ही नहीं, इतिहास भी है। प्रो. राजेन्द्र साह ने कहा कि कथा सम्राट प्रेमचन्द कालजयी रचनाकार हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज के विविध वर्गों को पात्र बनाया। वे पात्र बेहद जीवंत हैं। पुपरी (सीतामढ़ी) निवासी वयोवृद्ध कथाकार राम बाबू 'नीरव' ने कहा कि प्रेमचन्द एक यथार्थवादी साहित्यकार हैं। उनकी रचनाओं में हमारे समाज का सच रेखांकित हुआ है। डॉ. रेणु ठाकुर, डॉ. जगजीवन प्रसाद, डॉ. शशिकांत पांडेय, डॉ. मो. सनाउल्लाह, कंचन कुमारी, तुलसी कुमारी आदि शिक्षकों ने भी प्रेमचन्द के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला।

वहीं प्रधानाचार्य श्री रमण ने कहा कि प्रेमचन्द अब तक के सबसे प्रभावशाली रचनाकार हैं, जिनकी रचनाएं आज भी सबसे अधिक पढ़ी जाती हैं। संगोष्ठी का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आरले श्रीकांत लक्ष्मणराव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक डॉ. उमेश कुमार शर्मा ने किया। उधर मौके पर डॉ. पुष्पा कुमारी रचित मौलिक पुस्तक 'कुटीर उद्योग के विकास में मधुबनी जिले का योगदान' का विमोचन भी किया गया।

दिनांक 31/07/2023 को हिंदी विभाग, श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी के तत्वावधान में प्रेमचंद जयंती के अवसर पर 'आज के संदर्भ में कथा सम्राट प्रेमचंद' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की उपस्थिति-पंजी।

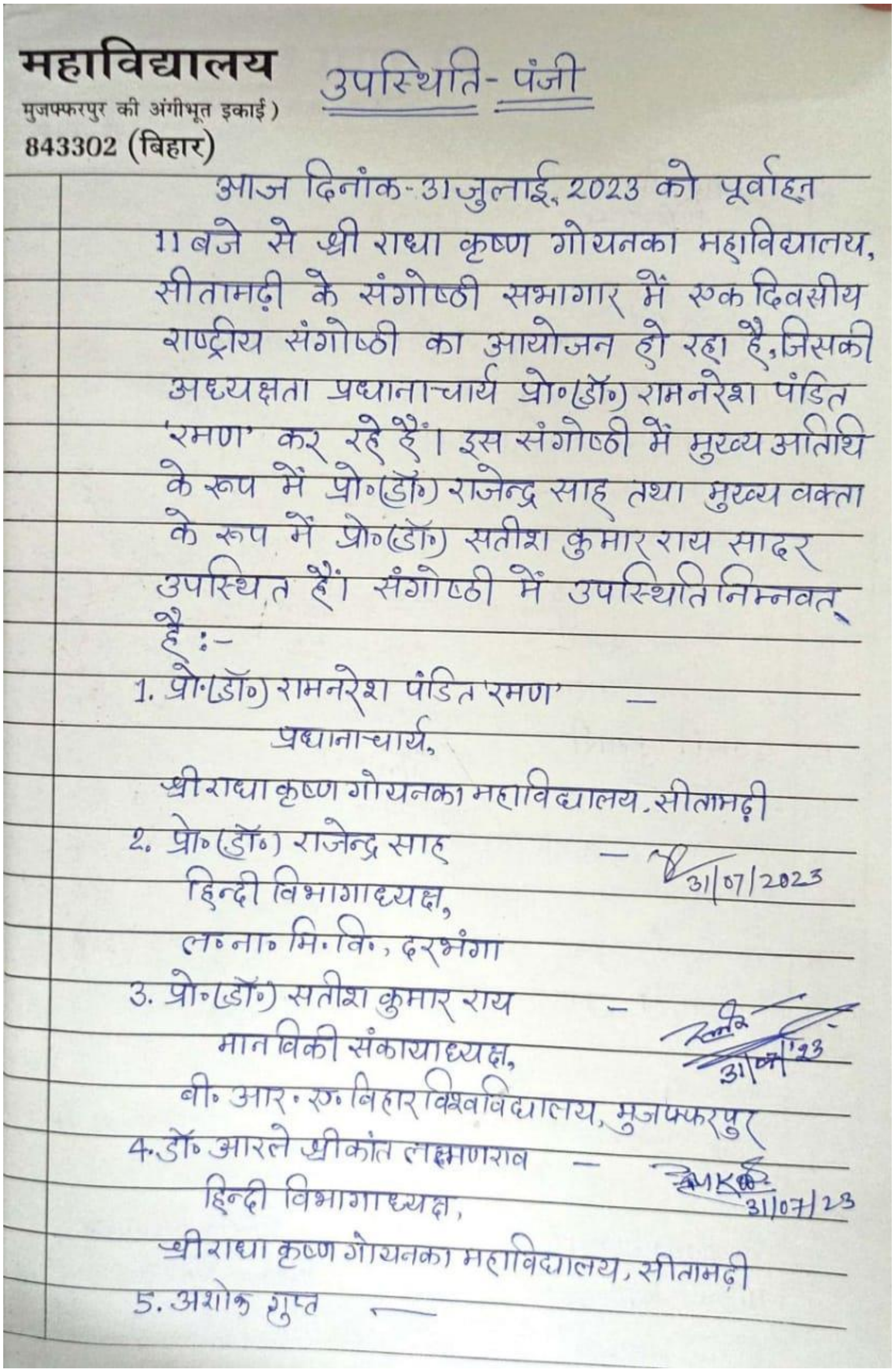

महाविद्यालय
मुजफ्फरपुर की अंगीभूत इकाई)
843302 (बिहार)

उपस्थिति- पंजी

आज दिनांक-31 जुलाई, 2023 को पूर्वाह्न 11 बजे से श्री राधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी के संगोष्ठी सभागार में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हो रहा है, जिसकी अध्यक्षता प्रधानाचार्य प्रो॰(डॉ॰) रामनरेश पंडित 'रमण' कर रहे हैं। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो॰(डॉ॰) राजेन्द्र साह तथा मुख्य वक्ता के रूप में प्रो॰(डॉ॰) सतीश कुमार राय सादर उपस्थित हैं। संगोष्ठी में उपस्थिति निम्नवत् है :-

1. प्रो॰(डॉ॰) रामनरेश पंडित 'रमण' —
प्रधानाचार्य,
श्रीराधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी
2. प्रो॰(डॉ॰) राजेन्द्र साह — 31/07/2023
हिन्दी विभागाध्यक्ष,
ल॰ना॰ मि॰ वि॰, दरभंगा
3. प्रो॰(डॉ॰) सतीश कुमार राय — 31/07/'23
मानविकी संकायाध्यक्ष,
बी॰ आर॰ ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर
4. डॉ॰ आरले श्रीकांत लक्ष्मणराव — 31/07/23
हिन्दी विभागाध्यक्ष,
श्रीराधा कृष्ण गोयनका महाविद्यालय, सीतामढ़ी
5. अशोक गुप्त —

श्री राधा कृष्ण गोयनका

(बी० आर० अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय,
सीतामढ़ी–

6.	रामबाबू नीरव, — साहित्यकार	
7.	डॉ॰ रेणु ठाकुर — अंग्रेजी विभागाध्यक्ष, सह शिक्षक संघ अध्यक्ष	
8.	डॉ॰ जगजीवन प्रसाद — सह प्राचार्य, अंग्रेजी विभाग	
9.	डॉ॰ रवि पाठक —	Ravi
10	डा० शशि कान्त पाण्डेय —	शशी कान्त
11	मो॰ सनाउल्लाह —	Sanullah 31/7/23
12.	डॉ॰ कंचन कुमारी —	Kanchan Kr. 31/7/2023
13.	डॉ॰ चन्द्रेश्वर पासवान	[signature] 31/07/2023
14.	तुलसी कुमारी	Tulsi 31/07/2023
15.	नीरज दुबे	Niraj 31/07/23
16	डॉ॰ राकेश कुमार (इतिहास विभाग)	[signature]
17	डॉ॰ सुबोध झा (राजनीति विज्ञान विभाग)	सुबोध
18	डॉ॰ आनंद कुमार माधव राजनीति विज्ञान विभाग	[signature]
19.	डॉ॰ सुशील कुमार वाणिज्य विभाग	[signature]
		Mobile
20	Pooja Kumari	9631885463
21	Priy kumari	9263330594
22	Sanjeev Raj (T.D.C. II)	Sanjeev Raj
23	Vandana kumari	Vandana kumari
24	Nitu Kumari	Nitu Kumari
25.	Annu kumari (T.D.C. II)	Annu Kumari

महाविद्यालय

मुजफ्फरपुर की अंगीभूत इकाई)

843302 (बिहार)

26.	Juli Kumari (T.D.C. II)	Juli Kumari
27.	Anjani Kumari (T.D.C. II)	Anjani Kumari
28.	Nidhi Kumari (T.D.C. II)	Nidhi Kumari
29.	Puriya Kumari (T.D.C II)	Puriya Kumari
30.	Gitu Kumari	Gitu Kumari
31.	Rani Kumari	Rani Kumari
32.	Varsha Rani	Varsha Rani
33.	Pinki Kumari	Pinki Kumari
34.	Sonali Kumari (T.D.C I)	Sonali Kumari
35.	Himani Kumari	Himani Kumari
36.	Manshi Kumari (T.D.C I)	Manshi Kumari
37.	Micky Kumari	Micky Kumari
38.	Kajal Kumari	Kajal Kumari
39.	Puja Kumari	Puja Kumari
40.	लक्ष्मी कुमारी	लक्ष्मी कुमारी
41.	अर्चना कुमारी	Archana Kumari
42.	प्रिया कुमारी (P.G. I)	प्रिया कुमारी
43.	Rupa Kumari (P.G. I)	Rupa Kumari
44.	मृणाल कुमार (PG 2018-20)	मृणाल कुमार
45.	संजय कुमार झा	Sanjay Kumar Jha
46.	सूरज कु० सिंह (B.A)	SuraJ Kumar Singh
47	सुमित कुमार	[illegible]
48.	कृष्णा अनुराग (शोधप्रज्ञ, ल.ना.मि.वि., दरभंगा)	कृष्णा अनुराग

श्री राधा कृष्ण गोयनका

(बी० आर० अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय,

सीतामढ़ी–

49	अमृत कुमार	//		Amrit Kumar
50	प्रबोध कुमार	//		
51	अनिता कुमारी	//		
52	रानी कुमारी	//		
53	कुमारी लक्की	PG III Seme	हिन्दी	
54	पूजा कुमारी	,,		
55	निखिलेश कुमार ठाकुर	,,		
56	पूनम कुमारी	PG (III)		
57	अरुण कुमार	PG (IV)	हिन्दी	अरुण
58	रवि आनंद	,,	,,	Ravi Anand
59	रितिक रौशन कुमार	PG (I)	Political science	
60	मिन्टू कुमार	P.G. I	Pol-Science	219
61	रूपेश कुमार	PG-II	Hindi	Rupesh Kumar
62	दिपेन्द्र कुमार	PG (III)	Hindi	Dipendar Kumar
63	पंकज कुमार	PG (I)	English	Pankaz Kumar
64	रोहित कुमार	PG (I)	Hindi	Rohit-Kumar
65	गुड्डी कुमारी	PG Pass out		[illegible]
66	Uday Shankar kumar	BA		Uday shankar kumar
67	Ritik Kumar	PG	(I) History	Ritik Kumar
68	Mariam Khatun	B.A (I)	Political Science	Mariam Khatun
69	Sumanti kumari	P.G (III)	Hindi	Sumanti kumari
70	Chanda Kumari	P.G (III)	Hindi	Chanda Kumari
71	Suman Kumari	P.G (III)	Hindi	Suman Kumari

महाविद्यालय

मुजफ्फरपुर की अंगीभूत इकाई)
843302 (बिहार)

72	मधु कुमारी	P.G (III) Hindi -	मधु कुमारी
73	प्रिति कुमारी	P.G (III) Hindi -	प्रिति कुमारी
74	कृष्णा कुमारी	P.G (III) Hindi -	Krishna Kumari
75.	प्रियंका कुमारी	P.G. (III) Hindi -	Priyanka Kumari
76	शिवानी कुमारी	P.G (I) Hindi -	Shivani Kumari
77	सोनी कुमारी	P.G (I) Hindi —	Soni kumari
78	मुस्कान कुमारी	B.A) (I) Political science -	Muskan Kumari
79	पुजा कुमारी	B.Sc (I) zoology -	puja Kumari
80	स्तुति कुमारी	B.A (I) History —	Stuti Kumari
81	मेघा कुमारी	B.A (I) political —	Megha Kumari
82	कँचन कुमारी	M.A (III) हिन्दी —	Kanchan Kumari
83	अनुप्रिया कुमारी	M.A. III हिन्दी	Anupriya kumari
84	रीतु कुमारी	M.A. III हिन्दी	Ritu Kumari
85	वंदना भारती	M.A. III हिन्दी	Bandna Bharti
86	सुमिरा कुमारी	M.A. III हिन्दी	Sumira Kumari
87	मुस्कान कुमारी	B.A. (I) हिन्दी	Muskan Kumari
88	शगुफ्ता खातून	B.A. (I) हिन्दी	Shagufta khatoon
89	गुड़िया कुमारी	B.A. (I) हिन्दी	Guriya Kumari
90	निशा भारती	B.A (I) हिंदी	Nisha Bharti
91	गोल्डी कुमारी	B.A (I) हिन्दी	Galdi kumari
92	सिमरन कुमारी कर्ण	B.A. (I) Political Sc.	Simran Karn
93	नैना कुमारी	B.A. (I) Political Sc.	Naina Kumari
94	नन्दनी कुमारी	B.A (I) political sc.	Nandani

श्री राधा कृष्ण गोयनका

(बी० आर० अम्बेदकर बिहार विश्वविद्यालय,

सीतामढ़ी–

95	काजल कुमारी	B.A (I) Political Science	Kajal Kumari
96	Ragini Kumari	M.A (Sem III) Pol. sci.	Ragini
97	Aditi Kumari	M.A (Sem. III) Pol. sci.	Aditi Kumari
98	Annpurna Kumari	PG (III) Political Science	Annpurna Ku
99	Abdul Khalid	Adarsh Road S.R.K.G. College	
100	Anshu Kumari	P.G (I) Hindi	Anshu Kumari
101	Rani Kumari	P.G (I) Hindi	Rani Kumari
102	विकाश सहनी	P.G. (I) Hindi	Bikash Sahani
103	आयुष आयु आदित्य	P.G. Hindi	Ayush Ayu Aditya
104	छोटे कुमार मंडल	" NET/JRF	[illegible]
105	अरविन्द कुमार	PG "	अरविन्द कुमार
106	दीपक कुमार	"	[illegible]
107	जितेश कुमार मंडल	"	जीतेश कुमार
108	उदय शंकर कुमार	"	उदय शंकर कुमार
109	विपिन कुमार ठाकुर	"	Vipin
110	आदित्य कुमार	B.A Eng	Aditya
111	शिवनाथ मंडल	M.A Pol.	Shivnath
112	अनुमा चौधरी	Psy (H)	अनुमा
113	खुशी कुमारी	BA. ENG(H)	Khushi
114	सोनम शर्मा	PG. Hindi	Sonam
115	प्रशांत रंजन चौधरी	PG. Hindi	प्रशांत

महाविद्यालय

मुजफ्फरपुर की अंगीभूत इकाई)

843302 (बिहार)

आज दिनांक 31.07.2023 को प्रेमचंद-जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'आज के संदर्भ में कथासम्राट प्रेमचंद' विषयक संगोष्ठी में शामिल हुआ। प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ.) अमरेश पंडित की अध्यक्षता में आयोजित यह संगोष्ठी कई मायने में अत्यंत महत्वपूर्ण रही। छात्र-छात्राओं में उत्साहवर्द्धन के साथ उन्हें प्रेरित करने की दृष्टि से भी तथा प्रधानाचार्य महोदय की प्रबंधात्मक सक्रियता से भी। परिसर ने मुझे प्रभावित किया। छात्र-छात्राओं की अंत तक उपस्थिति यह सिद्ध करती है इस क्षेत्र में उनमें जिज्ञासा के भाव के साथ लगनशीलता भी रही है। इस प्रकार की संगोष्ठियों के आयोजन से महाविद्यालय की समग्रता में समृद्धि उन्नयन को देखा जा सकता है।

राजेन्द्र साह
31.07.2023

अध्यक्ष,
विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग
ल० ना० मिथिला विश्वविद्यालय
दरभंगा